

# Girls' High School & College, Prayagraj

## Revision Test-1

### Session 2020-2021

#### Class VI (A, B, C, D, E, F)

#### Subject: - Hindi Language

Time : 30 Min

Max. Marks : 25

**निर्देश** - यह परीक्षा अभिभावकों के निरीक्षण में होनी है। अभिभावक यह सुनिश्चित करें कि विद्यार्थी इस प्रश्न-पत्र को हल करने में केवल 30 मिनट लें। विद्यार्थी अभिभावकों की सहायता से मूल्यांकन करके अंक देंगे। सुधार के लिए अभिभावक लाल या किसी रंगीन कलम का प्रयोग कर सकते हैं। पिता या माता दिए गए अंक की जगह पर हस्ताक्षर करें। मूल्यांकित वर्कशीट को संरक्षित रखना है और जब विद्यालय खुले तो जमा करना है।

### अपठित गद्यांश

#### निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

जीवन की राह में बहुत से साथी मिलते हैं। कुछ अपना उल्लू सीधा करके चले जाते हैं, कुछ ऐसे मिलते हैं, जिन्हें हम पल-दो पल याद रखते हैं। कुछ साथी कुछ दिन याद रहते हैं। कुछ लोग सालों-साल याद रहते हैं। कभी-कभी एक साधारण-सा व्यक्ति अपनी बातों से, काम और व्यक्तित्व से हमें इस हद तक प्रभावित कर देता है कि अनजाने में ही वह हमारा प्रेरणा-स्रोत बन जाता है और अपने माता पिता की आँखों का तारा बन जाता है। व्यक्तित्व का मतलब केवल शरीर का ऊपरी ढाँचा नहीं है, यह एक व्यक्ति का बोलना, चलना, उठना, बैठना भी है। किसी व्यक्ति के विचार, मन और उसके भीतर बसी भावनाएँ भी उसके व्यक्तित्व का ही हिस्सा हैं। इसलिए व्यक्तित्व के विकास के लिए जरूरी है कि पहले हम अपने आपको पहचानें। जब हम अपने भीतर झाँकते हैं, तो चिंता और भय की आवाज़ सुनायी देती है। असफलता के नाम से हम डरते हैं। सफलता और समृद्धि तभी मिलती है जब उसके बारे में सोचते हैं। जो व्यक्ति असफलता की बात सोचता है, सफलता उसके बस का रोग नहीं। सकारात्मक चिंतन और पापड़ बेलने से ही सफलता प्राप्त होती है। हमारा मन बहुत जल्दी भयभीत हो जाता है। भय को मन से निकाल कर दूर फेंकने का एक ही रास्ता है कि मन में यह विचार पुष्ट करें कि हम विश्व शक्ति का ही एक अंश हैं। आज के प्रतियोगी युग ने मनुष्य को उपहार में निराशा दी है, अंगारों पर लोटना सिखाया है। मन के भीतर दुबका भय मन पर बार-बार चोट करता है और निराश व्यक्ति जल्दी ही हार मानने लगता है। आशा एक सशक्त चुम्बक है। वह अभ्यास से प्राप्त होती है और वह आँसू पोंछती है। आज के मशीनी युग ने भी मानव को मशीन बना दिया है। आज का चतुर मानव करुणा, दया और संवेदना से भी पैसा कमाने की सोचता है। सुख-दुख अपने भीतर है। मन की जैसी स्थिति होती है, हम हर चीज को उसी रंग में रंग लेते हैं। हमें अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना है, पर मशीन की तरह नहीं, बल्कि अपने भीतर छोटी-बड़ी खुशियों को समेटते हुए आगे बढ़ना है। यदि बड़ी खुशी पाने के लिए छोटी-छोटी खुशियों, किलकारियों और करुणा की भावना मिटानी पड़े तो उस बड़ी खुशी का क्या फायदा?

प्रश्न 1 - निम्नलिखित शब्दों के भाववाचक संज्ञा लिखिए -

1 x 5 = 5

- (i) चतुर \_\_\_\_\_
- (ii) बैठना \_\_\_\_\_
- (iii) व्यक्ति \_\_\_\_\_
- (iv) एक \_\_\_\_\_
- (v) भय \_\_\_\_\_

प्रश्न 2 - निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए -

1 x 5 = 5

- (i) शक्ति \_\_\_\_\_
- (ii) रास्ता \_\_\_\_\_
- (iii) तारा \_\_\_\_\_
- (iv) दिन \_\_\_\_\_
- (v) राह \_\_\_\_\_

प्रश्न 3 - निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए -

1 x 5 = 5

- (i) सुख \_\_\_\_\_
- (ii) असफलता \_\_\_\_\_
- (iii) साधारण \_\_\_\_\_
- (iv) प्रभावित \_\_\_\_\_
- (v) भीतर \_\_\_\_\_

प्रश्न 4 - उपर्युक्त गद्यांश में से कोई तीन मुहावरे छाँटकर लिखिए -

1 x 3 = 3

- (i) \_\_\_\_\_
- (ii) \_\_\_\_\_
- (iii) \_\_\_\_\_

प्रश्न 5 - निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

1 x 3 = 3

(i) साथी \_\_\_\_\_

(ii) अंक \_\_\_\_\_

(iii) मनुष्य \_\_\_\_\_

प्रश्न 6 - निम्नलिखित अनेकार्थी शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए -

1 x 2 = 2

(i) काम \_\_\_\_\_

(ii) जीवन \_\_\_\_\_

प्रश्न 7) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए -

1 x 2 = 2

(i) माता \_\_\_\_\_

(ii) छोटी \_\_\_\_\_

E N D